दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
मुरादाबाद से प्रकाशित
RNI NO- UPBIL/2021/83001

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड मध्य प्रदेश, दिल्ली, बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर, जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
बिना किसी सिक्यूरिटी के
KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 02 अंक :- 336 मुरादाबाद, 07 April 2023 (Friday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी बोले- भाजपा कार्यकर्ताओं का सेवा भाव हनुमान की तरह, ऐसे सधेगा 2024 का एजेंडा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज भाजपा पूरी दुनिया में सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। देश के कोने-कोने तक उसके कार्यकर्ता सेवाभाव में जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज 1.80 लाख शक्ति केंद्र और 8.40 लाख बूथों पर भाजपा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति हो चुकी है...छह अप्रैल 1980 को गठित हुई भाजपा आज अपना 43वां स्थापना दिवस मना रही है। स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी कार्यालय पर पार्टी का झंडा फहराया और कार्यकर्ताओं को लगातार आगे बढ़ते रहने का संकल्प दिलाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और सेवा के अपने मूल मंत्र को अपनाते हुए देश की जनता की सेवा में लगातार जुटे रहने की बात कही। भाजपा नेताओं ने अपने संबोधन के जरिए न केवल पार्टी कार्यकर्ताओं को उत्साहित करने का काम किया, बल्कि इसी के माध्यम से 2024 लोकसभा चुनाव का एजेंडा भी सेट कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हनुमान जन्मोत्सव के सहारे यह कहा कि उन्हें भक्ति और

उदारता का पर्याय माना जाता है, लेकिन जब उन्हें राक्षसों का वध करना होता था, तब वे कठोर भी हो जाते थे। इसके माध्यम से उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए आगे बढ़ने की बात कही। प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात ऐसे अवसर पर कही है जब विपक्षी दल केंद्रीय जांच एजेंसियों की भूमिका पर लगातार प्रश्न खड़ा कर रहे हैं।उनका आरोप है कि केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग राजनीतिक बदले के कारण किया जा रहा है। लेकिन इसी मद में सर्वोच्च न्यायालय में 14 विपक्षी दलों का दावा कमजोर होने से भाजपा को और ज्यादा ताकत मिली है। अब यह माना जा सकता है कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध और ज्यादा कठोर रुख अपनाएगी और अगले लोकसभा चुनाव में इसे अपनी उपलब्धि बताते हुए जनता के बीच जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं और उनके सेवा भाव को भगवान हनुमान की तरह बताते हुए कहा कि उनके लिए कोई कार्य असंभव नहीं है। वे जनता के बीच जाएं और सेवा भाव के जरिए जनता की समस्याओं को दूर करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि भारत आज अपनी शक्ति का अनुभव कर चुका है और वह लगातार आगे बढ़ने के प्रयास कर रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज भाजपा पूरी दुनिया में सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। देश के कोने-कोने तक उसके कार्यकर्ता सेवाभाव में जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज 1.80 लाख शक्ति केंद्र और 8.40 लाख बूथों पर भाजपा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा देश के उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक हर कोने तक पहुंच चुकी है। भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति क्या है? राजनीतिक विश्लेषक सुनील पांडेय ने कहा कि भाजपा केवल दो लोकसभा सीटों से आज 303 लोकसभा सीटों तक पहुंचने में सफल रही है, तो इसका श्रेय इसकी नीतियों और इसके सर्वोच्च नेताओं का एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह लगातार मेहनत करने में जुटे रहना है। उन्होंने कहा कि आज जब पार्टी के स्थापना दिवस समारोहों की शुरुआत की गई तब जेपी नड्डा ने केवल इसे आदेश के तौर पर नहीं पारित किया, बल्कि स्वयं दिल्ली के एक इलाके में पहुंचकर वॉल राइटिंग कर इस अभियान की शुरुआत की।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों या पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, जब वे स्वयं आगे बढ़कर अपने हाथ से कोई काम करने लगते हैं तो इससे भाजपा का सामान्य कार्यकर्ता उत्साहित हो जाता है और वह दोगुने जोश के साथ मैदान में उतरता है। यही कारण है कि भाजपा लगातार आगे बढ़ रही है। दूसरे दलों में इसी तरह की भावना की कमी देखी जाती है।

बहुसंख्यकों की भावनाओं की कद्र

सुनील पांडेय ने कहा कि देश की बहुसंख्यक आबादी को यह अनुभव हो रहा था कि पूर्व की सरकारों में उसकी उपेक्षा हो रही है।
भाजपा ने जनता की इसी नब्ज को पकड़ा और उसे राष्ट्रीय स्वाभिमान से जोड़ दिया। आज उसका परिणाम सामने है। दूसरे राजनीतिक दल भी उसकी नकल करने की कोशिश करते हुए देखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जिस तरह सेवा भाव और भ्रष्टाचार को प्रमुखता देने की रणनीति अपनाई है, यह माना जा सकता है कि इन्हीं मुद्दों के सहारे वह लोकसभा चुनाव में उतरेगी और बढ़त हासिल करने की स्थिति में होगी।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी बोले- 2024 में यहां भी होंगी अमेरिका जैसी सड़कें, चलेगी ड्रोन टैक्सी

बागपत में एलिवेटिड रोड का निरीक्षण करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि 2024 में यहां भी अमेरिका जैसी सड़कें होंगी और ड्रोन टैक्सी चलाने की योजना है। यही नहीं पराली से बायो ईंधन बनाने की योजना है।केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी गुरुवार को गणेशपुर में आकर निर्माणाधीन दिल्ली देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर की शिवालिक पहाड़ियों में बन रही एलिवेटेड रोड का निरीक्षण करने पहुंचे। उनका हेलीकॉप्टर गणेशपुर में बने हेलीपैड पर दोपहर ढाई बजे उतरा। इसके बाद वे दिल्ली देहरादून कॉरिडोर तथा एलिवेटिड रोड का निरीक्षण करने निकले।

मात्र बीस मिनट के संक्षिप्त दौरे के बाद केंद्रीय मंत्री लौट जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2024 में अमेरिका जैसी सड़के यहां भी होगी। पराली से बायो ईंधन बनाने की योजना है। ड्रोन टैक्सी भी चलेगी। कहा कि गाड़ी में चिप लगेगी और सड़क पर चलते ही टोल कट जाएगा।उन्होंने कहा कि हाईवे किनारे पहले बार बर्ड पार्क बनाए जाएंगे, जिसमे फल के पेड़ लगाए जायेंगे। यह भी योजना है की उन फलों को इंसान नहीं खाएंगे बल्कि उन्हें पक्षी खाएंगे। ये पेड़ तकरीबन तीन मीटर के दायरे में लगाए जाएंगे।

पिलर पर पेंटिंग की जा सकती है। पहली बार बर्ड पार्क बनने जा रहे है। अतिक्रमण को लेकर गडकरी ने कहा कि अतिक्रमण तोड़ दो, हाईवे पर अगर कहीं अतिक्रमण है तो तोड़ना होगा।
हाईवे पर हादसे नहीं होने चाहिए। हाईवे अच्छे होने चाहिए। कहा कि हाईवे पर इलेक्ट्रिक चार्जिंग की व्यवस्था की जा रही है। कई जगह हो चुका है। एक्सेस कंट्रोल हाईवे से हादसे में कमी आएगी।

रामभद्राचार्य बोले, श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए भी दूंगा गवाही, धीरेंद्र शास्त्री पढ़ते नहीं, आएगी सदबुद्धि

आगरा- श्रीराम जन्मभूमि के बाद यदि आवश्यकता पड़ी तो श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए भी मैं गवाही दूंगा। बच्चों को वैदिक भारतीय संस्कृति से जोड़कर संस्कारवान बनाएं। महिलाएं जरूरत पड़ने पर चूड़ी की जगह कटार थामें। लव जिहाद पर अंकुश लगे। युवा देश का भविष्य बदलेंगे और आगामी 10 वर्ष में देश दोबारा विश्व गुरु बनेगा। श्रीराम की अमृतमयी कथा का रसपान करा रहे चित्रकूट स्थित तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने बुधवार को पत्रकारों से विभिन्न बिंदुओं पर वार्ता की।भारत माता सर्वप्रथम- जगद्गुरु रामभद्राचार्य का कहना था कि रामजी के लिए गवाही का परिणाम सामने हैं। अब श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए गवाही की जरूरत पड़ी तो मैं तैयार हूं। मेरे सामने यदि भगवान और भारत माता दोनों हों, तो मैं भगवान से पहले भारत माता के चरण स्पर्श करूंगा क्योंकि वह सर्वप्रथम हैं।सफलता के सूत्र -भक्ति का एक ही मंत्र है।

सामान्य व्यक्ति तन से काम करे और मुख से श्रीराम का नाम ले। बाकी सब भगवान स्वयं सभाल लेंगे। बच्चों को संस्कारवान बनाने के लिए रामजी जैसे संस्कार दें, रावण जैसे नहीं। महिलाएं धर्म का पालन करें। माता सीता को आदर्श मानें, लेकिन परिस्थिति के हिसाब से बदलना भी जरूरी है। बेटियां लव जिहाद से दूर रहें, वह सरल निशाना हैं। तलाक के बढ़ते मामले असहिष्णुता के कारण हैं। पति-पत्नी दोनों को एक-दूसरे के प्रति सहिष्णु हों, एक-दूसरे के सम्मान की रक्षा करें। धीरेंद्र शास्त्री पढ़ते-लिखते नहीं, धीरे-धीरे सदबुद्धि आएगीतुलसी पीठाधीश्वर ने कहा कि अधिकांश साधु-संत जनजागरण का धर्म भूलकर गृहस्थ की तरह भौतिकता में डूबे हैं और इसके लिए सब कुछ कर रहे हैं,

CM Yogi ने विपक्षी दलों पर साधा निशाना, बोले- जाति मजहब में बांटने वाले नहीं हो सकते किसी के हितैषी

लखनऊ- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगरीय निकाय चुनाव से पहले गुरुवार को शहरवासियों को बड़ा उपहार देते हुए 8731 करोड़ की 2029 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने आजाद भारत को जाति, मजहब व धर्म के आधार पर बांटा वे किसी के हितैषी नहीं हो सकते हैं। यह केवल अपना व अपने परिवार का हित करना चाहते हैं।स्थानीय निकाय निदेशालय में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहरों की 2029 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इनमें 3047.24 करोड़ की 272 परियोजनाओं का लोकार्पण व 5684.51 करोड़ की 1757 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस दौरान उन्होंने टेम्पो टिपर एवं अमृत कार्ट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री आवास योजना के

लाभार्थियों को चाबी वितरित करने के साथ ही सफाई मित्रों को सुरक्षा किट प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कई किताबों का विमोचन भी किया। उन्होंने कान्हा गोशाला की वेबसाइट का भी शुभारंभ किया। इससे पहले योगी ने निदेशालय में सिंदूर का पौधा भी रोपित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश में सबसे ज्यादा नगरीय निकाय वाला राज्य है। प्रदेश में 762 नगर निकाय हैं, इसमें लगभग सात करोड़ की आबादी निवास करती है। शहरों के विकास के बगैर अर्थव्यवस्था को गति नहीं दी जा सकती है। प्रदेश को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने में शहरों का बड़ा योगदान होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में यहां चुनाव होने वाले हैं, जहां 4.32 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। ऐसे में इन सभी के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए ईज आफ लिविंग के तहत पिछले छह वर्षों में ऐतिहासिक काम हुए हैं, और आगे भी युद्धस्तर पर जारी रहेंगे। नगरीय निकाय प्रदेश में विकास के इस बदलाव की धुरी बने हैं।मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि स्वच्छता है तो सुरक्षा है और सुरक्षा से ही प्रदेश में समृद्धि आएगी। उन्होंने कहा कि हमारा देश तभी विकसित होगा जब हर नागरिक अपने कर्तव्यों का पालन करेगा।उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक 17 लाख से अधिक गरीबों को नगरीय क्षेत्र में एक-एक प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराया जा चुका है, अगर ग्रामीण क्षेत्रों को भी जोड़ दिया जाए तो गरीबों को मिलने वाले आवास की संख्या 54 लाख हो जाती है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रदेश का आईना उसके शहर होते हैं। शहरों को देखकर पूरे प्रदेश का चित्र समझ में आ जाता है। उन्होंने नगरों को सुंदर बनाने के लिए उत्तर प्रदेश वैश्विक नगर अभियान दो महीने और बढ़ाने की घोषणा की। यह अभियान 31 मार्च को खत्म हो गया था। इस मौके पर राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरु, प्रमुख सचिव अमृत अभिजात, सचिव रंजन कुमार व निदेशक स्थानीय निकाय नेहा शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थीं।

संविदा सफाई कर्मियों को सम्मानजनक मानदेय के लिए बनेगा बोर्ड

मुख्यमंत्री ने कहा कि ठेके पर काम करने वाले संविदा सफाई कर्मियों को उनकी मेहनत के बराबर मानदेय दिया जाएगा। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में इस पर विचार विमर्श के लिए कमेटी बनाई गई है। इसके लिए प्रदेश स्तर पर बोर्ड भी बनाया जाएगा। राज्य सरकार संविदा कर्मियों का संरक्षण करेगी। सेवा प्रदाता इनका शोषण नहीं कर पाएंगे। इनके तय मानदेय में कटौती नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा कि जब हम सेवा प्रदाता को अलग से पैसा दे रहे हैं तो वह किसी भी सफाई कर्मचारी के मानदेय से पैसा नहीं काटेगा, यह व्यवस्था सुनिश्चित करने जा रहे हैं। हर सफाई कर्मचारी को सम्मानजनक मानदेय, खासतौर पर सीवर आदि की सफाई करने वाले को अतिरिक्त मानदेय व सुरक्षा की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी।

भारत में गरीबों को मुफ्त राशन, पाकिस्तान में रोटी के लाले

मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान पर भी करारा हमला बोलते हुए कहा कि भारत में गरीबों को मुफ्त आवास, मुफ्त इलाज और मुफ्त राशन मिल रहा है और पाकिस्तान में रोटी के लाले हैं। कि यह हाल तब है जब वहां की आबादी मात्र 22 करोड़ है और भारत की 140 करोड़। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में डबल इंजन की भाजपा सरकार ने वो कर दिखाया जो आज पूरी दुनिया के लिए माडल बन गया है। आज गरीबों को सरकार मुफ्त में आवास, शौचालय, पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा कवर दे रही है, जब अच्छी सरकार आती है तो ऐसे ही परिवर्तन लाती है।

संपादकीय Editorial

Politics of 'illiterate' PM

Delhi's Chief Minister Arvind Kejriwal and the Aam Aadmi Party (AAP) are currently campaigning that the Prime Minister of the country is 'illiterate' or 'less educated'. This is depressing, hollow and unethical propaganda. The educational degree of any individual or Prime Minister is outside the 'right to information'. That is a personal achievement and document. If it is not public, it cannot be made public by law. More or less Kejriwal would also know this much, because he started his politics with 'right to information' and got 'Magsaysay Award'. The Gujarat High Court, while giving a decision in this context, has rejected the direction of the Central Information Commission, in which the Commission had given instructions to Gujarat University to disclose the educational degree of the Prime Minister. Kejriwal had applied under the 'right to information'. The court also imposed a fine of Rs 25,000 on Kejriwal. Democratic politics does not mean that the elected leader and Prime Minister should have higher education or be an expert in any subject or belong to the elite and elite community. A very common and poor man can reach the post of Prime Minister. In fact, Kejriwal and AAP's spokesperson-leaders are also making it a political propaganda that the Prime Minister is illiterate or less educated, hence incapable of working and making policies. They do not have a proper understanding of the economy, so the economic burden on the country is increasing, which can sometimes turn into an economic crisis. The High Court has also accepted that the work on education is still going on in the country. On the one hand there is inequality of educational access and opportunities. On the other hand, there are inequalities of caste, tribe and gender. Though the right of free and compulsory education for children in the age group of 6-14 years is a law in the country, but there are anomalies in the same, so we have not been able to achieve the expected target in education. Democracy is a system 'by the people' and 'for the people'. PM's educational degree cannot be compared with Kejriwal's IIT degree or IRS. The elite and those with the highest education work under and under the orders of the Prime Minister, because the democratic mandate is the final word. Kejriwal, despite being highly educated, has declared the aim of his politics, today he and his party have completely deviated from it. Two senior ministers in the Kejriwal government, in fact one was the Deputy Chief Minister, are in Tihar Jail today. There must be some legal evidence on the basis of which the court has kept him in jail. Former Health Minister Satyendar Jain has been in jail for almost 11 months. There are very serious allegations of money laundering against him, so the court is repeatedly rejecting the bail plea. Kejriwal has thrown 'dirty mud' on the Prime Minister of the country. If Prime Minister Modi is 'undereducated', because talking about 'illiterate' is nonsense, can the mandate he received be rejected? The mandate is in favor of his party BJP's 303 MPs, more than a majority, those MPs have elected Prime Minister Modi as their leader. How can Kejriwal interfere in that? If he wants to contest the 2024 general elections on this issue, he is welcome. If Kejriwal believes that the Prime Minister is 'illiterate' and incapable of running the country, then it is an outrageous and low class statement. Some or the other BJP leader or MP can challenge it in the court. Gujarat High Court has given a verdict regarding educational degree, so indirectly it can also become a case of contempt. However, Kejriwal is doing imaginary politics.

These Bollywood stars did not choose a career in sports like their father, became actors and ruled the industry

There are many actors in the Bollywood industry whose parents are also related to the film world, due to which they too have made their career in films. However, there are some actors in the Bollywood industry whose fathers do not have any connection with the film world. The father of these artists is a well-known name in the world of sports. Let us know about those celebrities who decided to make a career in Bollywood and not in sports like their father. Saif Ali Khan-Saif Ali Khan is a well-known Bollywood actor. He has worked in many films in the industry. Also gave many superhit films. Saif has been working in the industry for a long time. Everyone knows that he belongs to the Nawab family. His father Mansoor Ali Khan Pataudi used to be an Indian cricketer. He was the captain of the Indian cricket team, but Saif did not pursue a career in sports like his father. She chose to work in Bollywood and today she is a successful actor. Deepika Padukone Deepika Padukone is one of the finest actresses of Bollywood. He has earned a name in the industry on the basis of his hard work. She started her career with modeling.

Everyone knows that Deepika Padukone's father Prakash Padukone has been a famous badminton player. Although Deepika has chosen acting as her profession. Soha Ali Khan- Soha has also made a career in Bollywood like her brother Saif Ali Khan. Although his career in Bollywood has been very short. He has worked in few films. Her father Mansoor Ali Khan has been the captain of the Indian cricket team, but he preferred to work in films. Masaba Gupta - Masaba Gupta is the daughter of West Indies player Vivian Richards and actress Neena Gupta. He has made a career in fashion designing, not sports like his father. He has also acted in the web series Masaba Masaba with mother Neena Gupta.

These successful actors of Bollywood are less educated, did not study even after taking admission in college

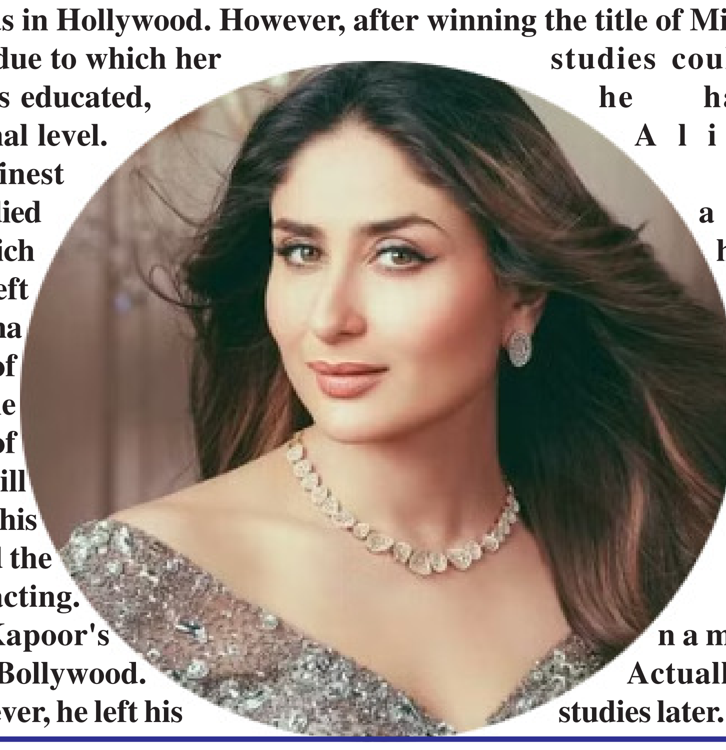

Bollywood stars have gained recognition in the industry on the basis of their work. However, you will be surprised to know that these stars have not achieved that much success in studies. Actually the big and famous actors of Bollywood who are less educated. Along with this, the names of some such artists are also included in this, who have not even seen the face of the college. Let's know about it. Deepika Padukone - Deepika Padukone is one of the top actresses of Bollywood. He has done many best films in the industry. He studied at Mount Carmel School in Bangalore and enrolled in Indira Gandhi Open University. However, after this she started her career in modeling, due to which her studies could never be completed. After modeling, she entered the industry and today she rules Bollywood. Salman Khan- Salman Khan is not dependent on any identity in Bollywood. Although very few people know that Dabangg Khan took admission in college, but he did not complete his studies. Due to acting, he left his studies in the middle. Priyanka Chopra - Priyanka Chopra is an international actress. He has done many films in Bollywood as well as in Hollywood. However, after winning the title of Miss World, the actress started modeling, due to which her studies could not be completed. Despite being less educated, he has earned his name at the international level. Alia Bhatt- Alia Bhatt is one of the finest actresses of Bollywood. He also studied at the Jamnabai Narsee School, after which started his career in acting and left studies. Kangana Ranaut- Kangana Ranaut is the outspoken actress of Bollywood. He has earned a name in the film industry on the basis of his hard work. He has studied only till 12th standard. Although she failed in this class, after which she left studies and entered the world of modeling, after which she started acting. Kareena Kapoor- Everyone's favorite Kareena Kapoor's name is also included in the list of less educated actors of Bollywood. Actually, it is said that he had taken admission in Mithibai College for graduation. However, he left his studies later.

जिले में हर्षोल्लास से मनाई हनुमान जयंती, बजरंगबली के जयकारों से गूंजे मंदिर

मुरादाबाद- जिले में गुरुवार को हनुमान जयंती बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। सुबह से ही भक्तों का मंदिरों में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। जोकि शाम तक दर्शन पूजन का दौर चलता रहा। सुबह हनुमान जी को चोला चढ़ाकर आरती उतारी गई। लड्डुओं का भोग लगाया गया। शाम को मंदिरों में कीर्तन भजन होते रहे। हनुमान जयंती को लेकर मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया था। बजरंग बली के जयकारों से मंदिर गुंजायमान होते रहे। हनुमान जयंती चैत्र माह की पूर्णिमा को मनाई जाती है। मान्यता है कि हनुमान जी त्रेता युग से लेकर अभी तक जीवित हैं। बजरंगबली को कलयुग में सबसे प्रभावशाली देवताओं में से एक माना जाता है। गुरुवार को हनुमान जयंती मनाने को लेकर लोगों ने पहले से ही तैयारियां कर ली थी। गुरुवार की भोर होते ही लोग स्नान करके साफ, सुथरे कपड़े पहनकर अपने नजदीकी हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां पर हनुमान की मूर्ति के सामने घी का दीपक जलाकर हनुमान चालीस, हनुमान

बाहूक, पंचमुखी हनुमान का पाठ लिया। हनुमान चालीसा पढ़कर आरती उतारी। इसके बाद लड्डू का भोग लगाकर उनके सामने प्रार्थना की। यह क्रम सुबह से दोपहर तक चलता रहा। शहर के रेलवे कॉलोनी स्थित श्री मनोकामना हनुमान मंदिर में मंदिर प्रबंधन की ओर से खास तैयारियां की गई थीं। मंदिर को लाइटिंग कर भव्यता प्रदान की गई थी। रंग बिरंगे गुब्बारों से मंदिर को सजाया गया था। प्रसिद्ध श्री जिले में हनुमान जी के मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ पहुंचनी शुरू हो गई थी। 12 बजे तक हनुमत भक्तों का मंदिर में पहुंचने का सिलसिला जारी था। बाबा की आस्था और श्रद्धा इस कदर थी कि दोपहर के बाद मंदिर के कपाट बंद होने के बाद भी भक्त पहुंच रहे थे। घंटे-घड़ियालों, शंख की ध्वनि से मंदिर गुंजायमान होते रहे। मंदिर के आसपास के वातावरण में नई उर्जा का संचार होता रहा। शाम को मंदिर खुलने के बाद भारी संख्या में भक्तगणों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। आरती और पूजा पाठ का दौर चलता रहा। शाम को सुंदर कांड, बाल कांड आदि के पाठ मंदिर में होते रहे। देर रात तक कीर्तन-भजन से माहौल भक्तिभाव से परिपूर्ण नजर आया।

रामगंगा नदी के किनारे अवैध निर्माण पर चली जेसीबी, नौ भवन जमींदोज

मुरादाबाद- मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस बल के साथ रामगंगा नदी के किनारे निर्मित अवैध

निर्माण को जेसीबी से जमींदोज करा दिया। सभी भवन अवैध रूप से बनाए गए थे। जिसको लेकर कार्रवाई का आदेश पारित हुआ था। उत्तर प्रदेश शहरी योजना एवं विकास अधिनियम के तहत वाद में सुनवाई के बाद ध्वस्तीकरण आदेश पारित था। प्राधिकरण की ओर से निर्माणकर्ताओं को स्वयं से अवैध निर्माण हटाने का समय दिया गया था। लेकिन, तय समय में निर्माण न हटाने को देखते हुए प्राधिकरण द्वारा वेदप्रकाश, नंदकिशोर, बाबू भाई, साईस्ता, मूर्शलीम, यामीन अहमद, नाजिम, तौफीक, तौफीक शाह का अवैध निर्माण जेसीबी मशीन से तोड़ा गया। प्राधिकरण की ओर से सहायक अभियंता केएन जगूड़ी और उनकी टीम मौजूद रही। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शैलेष कुमार ने कहा कि प्राधिकरण से भवन का मानचित्र स्वीकृत कराए बिना किए गए अवैध निर्माण पर कार्रवाई जारी रहेगी। चेतावनी दी कि ऐसा करने वालों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

ब्राह्मण समाज ने की श्वेताभ तिवारी हत्याकांड की निष्पक्ष जांच की मांग, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

मुरादाबाद- ब्राह्मण समाज ने गुरुवार को श्वेताभ तिवारी हत्याकांड मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। ब्राह्मण समाज द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया गया है कि 15 फरवरी को मुरादाबाद के प्रतिष्ठित सीए श्वेताभ तिवारी हत्या कर दी गई थी, जिसमें पुलिस ने डॉ. ललित कौशिक को अभियुक्त बना दिया।

उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन के द्वारा जो विवेचना प्रस्तुत की गई है। उसमें तथ्य स्पष्ट नहीं है। ऐसा लगता है कि जल्दबाजी में या अन्य किसी दबाव के कारण पण्डित ललित कौशिक को अभियुक्त बनाया गया है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि उक्त घटना की निष्पक्ष जांच स्वतंत्र सेवानिवृत्त जज से कराई जाए। जिससे ब्राह्मण समाज पर हो रहे अत्याचारों को रोका जा सके एवं ब्राह्मण समाज को न्याय मिल सकें। इस दौरान आशु शर्मा, कुलदीप शर्मा, अरविंद मिश्रा, राजू शर्मा, राजीव शर्मा आदि मौजूद रहे।

पुरानी पेंशन योजना बहाली के लिए उरमू ने निकाली बाइक रैली, कर्मचारी एकता जिंदाबाद के लगाए नारे

मुरादाबाद- उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन द्वारा गुरुवार को पुरानी पेंशन योजना बहाली लेकर बाइक रैली निकाली गई। मंडल मंत्री शलभ सिंह के नेतृत्व में कपूर कंपनी स्थित मंडल कार्यालय से शुरू हुई बाइक रैली डीआरएम कार्यालय पर संपन्न हुई। इस दौरान रेलवे कर्मचारियों ने कर्मचारी एकता जिंदाबाद और पुरानी पेंशन योजना बहाल करो के नारे लगाए। इसके अलावा रेलवे कर्मचारियों ने अन्य समस्याओं को भी बाइक रैली के माध्यम से उजागर किया। मंडल मंत्री शलभ सिंह ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना बहाली समित 14 मांगों को लेकर हम पिछले एक महीने से लगातार आंदोलन कर रहे हैं लेकिन रेलवे प्रशासन द्वारा कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर जल्दी हमारी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो हम मंडल स्तर पर एक बड़ा आंदोलन करेंगे। बाइक रैली में मुख्य रूप से रमेश, नरेंद्र कुमार, धर्मवीर सिंह, शेखर ठाकुर, के के पांडे, सिराज अहमद, गुरुदेव, पंकज सक्सेना, हरपाल सिंह और सतीश कुमार सहित अन्य रेलवे कर्मचारी शामिल रहे।

विभिन्न मांगों को लेकर खण्ड-शिक्षाधिकारियों ने दिया ज्ञापन धरने को चेताया

प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली- विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को सभी खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा जिला अधिकारी बरेली के माध्यम से प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा उत्तर प्रदेश लखनऊ को अपना ज्ञापन भेजा। जिसमें खंड शिक्षा अधिकारियों की पदोन्नति वेतन विसंगति एवं एसीपी संबंधित दीर्घकालीन एवं लंबित मांगों का निस्तारण न किए जाने एवं उनके विरुद्ध उत्पीड़नात्मक कार्रवाई कर परेशान किए जाने के विरुद्ध एक दिवसीय सांकेतिक धरना 17 अप्रैल 2023 को प्रदेश कार्यकारिणी ने निर्णय लिया जिसको लेकर जनपद के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों ने गुरुवार को अतिरिक्त सिटी मजिस्ट्रेट नन्हें राम को ज्ञापन सौंपा। उनके द्वारा कहा गया कि यदि हमारी मांगों पर विचार नहीं किया

जाता है। तो सभी खंड शिक्षा अधिकारी 17 अप्रैल को लखनऊ में धरना देंगे। खंड शिक्षा अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष त्रिलोकीनाथ ने बताया हम लोगों की 26 साल सेवाकाल एक ही पद पर हो गया है। आज तक पदोन्नति पर सरकार द्वारा कोई भी विचार नहीं किया। जबकि पद रिक्त चल रहे हैं।ऐसा कोई भी विभाग नहीं है जिसमें कोई भी अधिकारी जिस पद पर नियुक्त होता है उसी पर सेवानिवृत्त होता है। परंतु खंड शिक्षा अधिकारियों के विरुद्ध सरकार के निर्णय के उपरांत भी विभागीय अधिकारी उनकी पदोन्नति में रुचि नहीं ले रहे हैं। जिससे वह सब अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं। मंत्री मुकेश कुमार ने कहा महानिदेशक कार्यालय द्वारा शिक्षकों से दूरभाष पर फीडबैक लिया जा रहा है। और टेलीफोनिक फीडबैक के आधार पर खंड शिक्षा अधिकारियों की जांच बैठाई जा रही है। जबकि टेलीफोनिक काल किसी के विरुद्ध कार्यवाही का कोई ठोस आधार नहीं होती है।शिक्षकों से फीडबैक लेने से पूर्व यह तय नहीं किया गया कि किन शिक्षकों से लिया जाए फीडबैक लेने वाले शिक्षकों के संबंध में यह भी ध्यान नहीं दिया गया। फीड बैक में ऐसे शिक्षकों को न सम्मिलित किया जाये। जिनके विरुद्ध विगत वर्षों में किसी प्रकार की कोई विभागीय कार्रवाई न की गई हो ।एकमात्र खंड शिक्षा अधिकारी संवर्ग का फीडबैक प्राप्त किया गया । इसमें विभागीय अधिकारियों जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शिक्षा निदेशालय परियोजना कार्यालय के अधिकारियों कर्मचारियों की कार्यशैली का उनके अधीनस्थों से फीडबैक नहीं लिया गया।साथ ही साथ शिक्षा निदेशालय बेसिक एवं राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं पर योजनाओं के संबंध में विद्यालय स्तर पर होने वाले प्रभाविता के संबंध में किसी प्रकार का टेलीफोनिक फीडबैक शिक्षकों से प्राप्त नहीं किया गया । शीशपाल सिंह ने अपनी बात रखते हुए कहा खंड शिक्षा अधिकारी संवर्ग विशेष के प्रति विभिन्न माध्यमों से गलत सूचनाएं प्रसारित कर उनके मनोबल को गिराने की साजशि है। प्रदेश के समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों में आक्रोश एवं क्षोभ व्याप्त है ।प्रशासन में भ्रष्टाचार निवारण के लिए जीरो टालरेंस की नीति के अंतर्गत पारदर्शी व्यवस्था बनाए जाने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग में शीर्ष से लेकर धरातल तक निष्पक्ष रूप से फीडबैक प्रणाली को अपनाया जाए।बेसिक शिक्षा निदेशालय तथा महानिदेशक कार्यालय द्वारा खंड शिक्षा अधिकारियों के प्रत्यावेदनों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण नहीं किया जा रहा है। प्रेम सिंह राणा ने कहा गया कि पदोन्नति वेतन विसंगति एवं एसीपी संबंधी दीर्घकालीन विभिन्न लंबित मांगों का निस्तारण न किए जाने तथा उनके विरुद्ध उत्पीड़नात्मक कार्यवाही कर परेशान किए जाने के विरुद्ध दिनांक 22 मार्च 2023 को प्रदेश स्तरीय बैठक में निर्णय लिया गया कि दिनांक 17 अप्रैल 2023 को एकदिवसीय सांकेतिक धरना लखनऊ में दिया जाएगा । शीतल श्रीवास्तव ने बताया गया कि हम लोगों की वेतन विसंगति की मांग 2006 से लंबित है परंतु सरकार उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के उपरांत भी निराकरण नहीं कर रही है। ज्ञापन देने में खंड शिक्षा अधिकारी ने अवनीश प्रताप सिंह,, भानुशंकर गंगवार ,विकास विनोद कुमार, प्रियांशी सक्सेना ,प्रेमसुख गंगवार आदि खंड शिक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

विधायक ने बांटे होनहार विरवाओं को उपहार

प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली- विकास खण्ड बिथरीचैनपुर के प्राथमिक विद्यालय में मेधावी छात्र-छात्राओं को विधायक राघवेन्द्र शर्मा,खंड शिक्षा अधिकारी अवनीश प्रताप सिंह ,खंड विकास अधिकारी,ग्राम प्रधान बबलू कनौजिया ने साइकिल, बैग व पुस्तक वितरण किए । जिन्हें पाकर मासूमों के चेहरे खिल उठे।

इस मौके पर विधायक श्री शर्मा ने कहा उपहार प्रतिभाओं को और ज्यादा निखारने के उद्देश्य से दिए जाते हैं।तथा यह प्रेरणा के भी द्योतक होते हैं।

धूमधाम से मनाया गया 15 स्थापना दिवस पर हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली-रिठौरा। बड़े ही हर्षोल्लाष के साथ बी0बी0एल0 पीलीभीत रोड का 15 वॉ स्थापना दिवस गुरूवार को मनाया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल के प्रबन्धक सर्वेश अग्रवाल का स्वागत विद्यालय की छात्र परिषद् के हेड ब्यॉय उदित पॉलीवाल, हेड गर्ल वैष्णवी अग्रवाल के नेतृत्व में पुष्प गुच्छ देकर मार्च पास्ट करते हुए किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबन्धन समिति के सदस्य मुख्य अतिथि सर्वेश अग्रवाल एवं माधव अग्रवाल , प्रधानाचार्या डॉ0

अल्पना जोशी आयोजन समिति के शिक्षक एवं अकादमिक प्रमुखों ने संयुक्त रूप से माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ, संस्थापक स्व0 कृ'ण कुमार अग्रवाल के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित कर किया।

स्थापना दिवस के अवसर पर प्राथमिक वर्ग एवं पूर्व माध्यमिक वर्ग के छात्र-छात्राओं ने, सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत स्वागत गीत, नृत्य एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

गुंजन अग्रवाल ने विद्यालय की स्थापना से लेकर वर्तमान समय तक की उपलब्धियों को विस्तारपूर्वक बताया। इस अवसर पर छात्रों को पूरे वर्ष पूर्णता उपस्थिति के लिए छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया साथ ही कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्रों को उनका उत्साहवर्धन एवं मनोबल बढ़ाने के लिए पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर पर बोलते हुए प्रधानाचार्या डॉ0 अल्पना जोशी ने विद्यालय के संस्थापक स्व0 कृष्ण कुमार अग्रवाल के शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान एवं दूरदर्शिता की प्रशंसा की। विद्यालय प्रबंधन द्वारा श्री अग्रवाल के स्वपनों को साकार करने एवं विद्यालय को उन्नति के पथ पर अग्रसर करने में उनके योगदान देने की प्रशंसा की। श्रीमती जोशी ने कार्यक्रम के अंत में सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हुए विद्यालय का उद्देश्य बताते हुए कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप शिक्षा प्रदान करते हुए चारित्रिक दृढ़ता और नैतिक मूल्यों के साथ विद्यार्थियों का सर्वांगींण विकास में यह विद्यालय पूरी तरह लगा है। कार्यक्रम संयोजन अभिषेक गुप्ता, नूपुर अग्रवाल, ईमा शर्मा, संतोष दीक्षित , सफल संचालन कक्षा-12 के विद्यार्थी आशुतोष कुंजरू, कक्षा-10 की कैफीरा सेठी, तेजस्वी काम्बोज एवं कक्षा-9 की अनाया दीक्षित ने किया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

स्वामी सत्यानंद महाराज का जन्म दिवस मनाया

सत पाल सोनी
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

लुधियाना - आज नौलखा बाग कालोनी तपोमय भूमि श्री राम शरणम् आश्रम में संत कुल कमल दिवाकर श्री स्वामी सत्यानंद जी महाराज का जन्म दिवस बड़े श्रद्धा भाव से मनाया गया। किया पावन सृष्टि को, जप कर नाम जपा कर नाम। उन्हीं महाराज के चरणों में सदा प्रणाम सदा प्रणाम भक्तों ने उच्चारणों के साथ उनके चित्र पर पुष्प मालाएं अर्पण कर गुरु कृपा मांगी।

भक्त राजीव बगा ने जन्म दिवस के सत्संग में कहा कि तपस्वी ब्रह्मलीन परम पूज्य गुरुदेव ब्रह्मचारी रामप्रकाश महाराज उनकी महिमा कहा करते थे कि संत कुल कमल दिवाकर श्री स्वामी सत्यानंद जी महाराज चैत्र पूर्णिमा को जगत में जन्मे संत निराले राम नाम के रंग में रंगे पूर्ण योगी मतवाले थे। उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नाम दाता ने उन्होंने जो राम नाम की मधुर मुरली बजाई उसकी तान युगों तक सुनाई देती रहेगी। वो राम भक्तों को भव सागर से पार उतरने के लिए राम नाम का सहारा लेने की प्रेरणा देते थे। हम तो उनके चरण कमलों के भंवरे हैं, उनके दास अनुदास हैं। स्वामी जी के गुणो का बखान कौन कर सकता है प्रभु नाम के मतवाले, संयमी, मधुरभाषी, पर दुखहारी, मंगलमय थे। सिर पर बिस्तर उठा कर, चने चबा कर गांव-गांव घूमते हुए नाम दान द्वारा सहस्त्रों जनों का कल्याण किया। उन्होंने वैदिक ऋषियों-मुनियों की भांति एक देवाधिदेव की भक्ति सर्वजनो को बतलाई। हमें भी उनके चरणों में हृदय कमल भेंट करके यह संकल्प करना चाहिए कि हम उनके 卐एक देव की टेक है, सुदृढ़ निश्चय एक, अनन्य सुभक्ति राम में है, तज देव अनेक卐 के वाक्यों का अनुसरण करके अपना जीवन सफल बनाएंगे। इस अवसर अरूणेश साधक ने जगत मे जन्मे सन्त निराले कर्म योगी नाम रस भोगी नाम प्रेम मतवाले भजन गा कर सभी को मन्त्र मुग्ध कर दिया।

नगर पंचायत चुनाव में केसरिया ध्वज फहराने को भाजपा बेताब

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-जिले की दो ऐसी नगर पालिकाएं हैं, जहां 2017 में सत्तासीन भाजपा को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। यहां इस बार के चुनाव में केसरिया ध्वज फहराने को भाजपा बेताब है। हालांकि दो नगर पंचायतों में भी पार्टी को पराजय का सामना करना पड़ा था, लेकिन इन दोनों के ही निर्वाचित अध्यक्षों के भाजपा में शामिल होने से मजबूती बढ़ गई है।वर्ष 2017 में ही प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी थी। इसके बाद उसी साल अंत में नगर निकायों का चुनाव भी कराया गया। प्रदेश की सत्ता में आने के बाद राजनीति में भाजपा का दबदबा था और निकाय चुनाव पर भी इसका पूरा असर देखने को मिला। उस समय जिले में कुल मिलाकर नौ नगर निकाय थे। इनमें से पांच पर भाजपा का कब्जा हुआ, लेकिन टीस चार निकायों पर रही थी। इनमें से अवागढ़ नगर पंचायत में टिकट न मिलने पर निर्दलीय के रूप में लड़े महेशपाल ने भाजपा प्रत्याशी को पटकनी दी थी। बाद में वह भाजपा में ही शामिल हो गए। जबकि मारहरा और एटा नगर पालिका में सपा के प्रत्याशी जीते। सकीट नगर पंचायत पर सपा की डॉ. किरन सिंह के खाते में जीत आई। यह भी पिछले साल भाजपा में शामिल हो चुकी हैं।ऐसे में अब एटा और मारहरा नगर पालिका पर पार्टी की सबसे अधिक नजर है। भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप जैन ने कहा कि पार्टी की सभी सीटें समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। सभी पर मजबूत प्रत्याशी उतारकर चुनाव लड़ा जाएगा।

यह था 2017 का चुनाव परिणाम

निकाय विजेता पराजित

एटा - मीरा गांधी (निर्दलीय) - शालिनी गुप्ता (भाजपा)
मारहरा - परवेज जुबैरी (सपा) - गौरव गुप्ता (भाजपा)
अलीगंज - ब्रजेश गुप्ता (भाजपा) - हुमैरा बेगम (बसपा)
जलेसर - विकास मित्तल (भाजपा) - मोहन सिंह हैप्पी (पीस पार्टी)
सकीट - डॉ. किरन सिंह (सपा) - मुकेश चंद्र (भाजपा)
अवागढ़ - महेशपाल सिंह (निर्दलीय) - जय सिंह (भाजपा)
जैथरा - विजेंद्र सिंह चौहान (भाजपा) - विनोद कुमार (सपा)
राजा का रामपुर - महावीर सिंह (भाजपा) - भूपेंद्र सिंह (निर्दलीय)
निधौली कलां - देवलाल लोधी (भाजपा) - सोमेश बाबू (सपा)

एटा में खोला जाएगा राजकीय संस्कृत विद्यालय

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने एटा समेत दस नए राजकीय संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों को खोलने का निर्णय लिया॰संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने एटा समेत दस नए

राजकीय संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों को खोलने का निर्णय लिया है। नए संस्कृत स्कूलों की स्थापना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता में शामिल है और शासन से सैद्धांतिक सहमति मिलने के बाद शिक्षा निदेशालय के अधिकारियों ने इन स्कूलों के निर्माण के लिए धनराशि आवंटित करने का अनुरोध किया है। उत्तर मध्यमा (12वीं) स्तर तक के नए संस्कृत माध्यमिक स्कूलों का निर्माण जिन दस जिलों में प्रस्तावित है उनमें एटा वाराणसी, रायबरेली, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, जालौन में उरई, अमेठी, मुरादाबाद व हरदोई का नाम शामिल है। वर्तमान में पूरे प्रदेश में मात्र एक राजकीय माध्यमिक और एक राजकीय महाविद्यालय संचालित है। गौरतलब है कि संस्कृत विद्यालयों की परिसम्पत्तियों के सृजन के लिए सरकार ने इस साल बजट में 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है।

651 मालों का विधिक निस्तारण कराया गया

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-शासन की मंशानुरूप जनपद में चलाये जा रहे माल निस्तारण के अभियान के तहत उप जिला मजिस्ट्रेट श्री वेद प्रिय आर्य की अध्यक्षता एवं क्षेत्राधिकारी नगर श्री विक्रान्त द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी अलीगंज श्री शुधांशु शेखर, वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव एवं प्रतिसार निरीक्षक एटा की उपस्थिति में सदर/जजी मालखाने के आईपीसी/आर्म्स एक्ट/एनडीपीएस एक्ट एवं विधुत अधिनियम के विभिन्न अभियोगों से सम्बन्धित लम्बित कुल 651 मालों का विधिक निस्तारण कराया गया है।

रुपए हड़पने और रुपए मांगने पर तमंचे से मारने का लगाया आरोप

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-एटा में एक पीड़ित व्यक्ति ने लगाई एटा एसएसपी उदयशंकर सिंह से न्याय की गुहार,पीड़ित ने दबंग अरविंद यादव पर 5 बीघा जमीन बेचने के नाम पर 31लाख 50 हजार रुपए हड़पने और रुपए मांगने पर तमंचे से मारने का लगाया आरोप, पीड़ित परमसुखम सुखपाल सिंह ने अरविंद कुमार यादव पुत्र विजयसिंह निवासी श्रृंगार नगर पर 31 लाख 50 हजार रुपए धोखाधड़ी से हड़पने का लगाया आरोप, पीड़ित ने स्न्ढ्ढक्र कराते हुए रोपी अरविंद कुमार यादव के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग करते हुए की जान माल की सुरक्षा की मांग, एटा के कोतवाली देहात क्षेत्र के सिरांव रोड़ क्क्ष् के पास जमीन के नाम पर साढ़े 31 लाख हड़पने का मामला।

पंजाब में राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए 19317 करोड़ रुपये निर्धारित, 32% राशि का इस्तेमाल होना शेष; गडकरी ने सांसद अरोड़ा को संसद में दिया जवाब

सत पाल सोनी
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

लुधियाना - पिछले पांच वर्षों में एनएचएआई द्वारा पंजाब राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों पर भूमि अधिग्रहण के लिए 13281.03 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है। 6036.90 करोड़ रुपए की राशि जमीन का अधिग्रहण किये जाने के इंतजार में लंबित है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी ने लुधियाना से क्षआप% सांसद (राज्यसभा) संजीव अरोड़ा द्वारा पंजाब में भूमि अधिग्रहण पर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही है। इसलिए, अरोड़ा ने पंजाब के किसानों को राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण में एनएचएआई के साथ सहयोग करने के लिए कहा। उन्होंने स्वीकार किया कि भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में कुछ मुद्दों के कारण पंजाब में कुछ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में देरी हो रही है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि गडकरी ने भी इस तथ्य को इंगित किया था जब वह एमपी के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद एनएचएआई से संबंधित कुछ शहर और राज्य मामलों संबंध में उनसे मिलने गए थे। अरोड़ा ने कहा कि आरएफसीटीएलएआरआर अधिनियम, 2013 भारतीय संसद का एक अधिनियम है जो भूमि अधिग्रहण को नियंत्रित करता है और भारत में प्रभावित व्यक्तियों को कंपनसेशन, रिहैबिलिटेशन और रिसेटलमेंट प्रदान करने के लिए प्रक्रिया और नियम निर्धारित करता है। उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों को यह समझना चाहिए कि आर्थिक और अन्य गतिविधियों में वृद्धि के कारण परिवहन की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए बुनियादी सड़क के बुनियादी ढांचे का और विकास समय की आवश्यकता है।

फिल्म चल जिंदिये की स्टार कास्ट पहुंची सीटी यूनिवर्सिटी

सत पाल सोनी
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

लुधियाना - आने वाली पंजाबी फिल्म एस जहांनो दूर कित्ते-चल जिंदिये की स्टारकास्ट ने सीटी यूनिवर्सिटी पहुंची। अभिनेत्री नीरू बाजवा, पंजाबी गायक और अभिनेता कुलविंदर बिल्ला, जस बाजवा और उनकी टीम ने शाम को चार चाँद लगाए। भंगड़ा और गाने ने इस शाम को और भी खास बना दिया । तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सितारों ने छात्रों से बातचीत की और टीम ने दर्शकों के लिए अलग-अलग गानों पर परफॉर्म किया। अभिनेत्री नीरू बाजवा, पंजाबी गायक और अभिनेता कुलविंदर बिल्ला, जस बाजवा के भांगड़ा ने दर्शकों का मन मोह लिया। नीरू बाजवा ने कहा कि फिल्म का उद्देश्य अपने प्रियजनों से दूर विदेशों में रहने वाले लोगों की अनकही कहानियों पर प्रकाश डालना है।

नीरू बाजवा के साथ फिल्म में गुरप्रीत घुग्गी, अदिति शर्मा और रूपिंदर रूपी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सीटी यूनिवर्सिटी के चांसलर चरणजीत सिंह चन्नी, को-चेयरपर्सन परमिंदर कौर, वाइस चेयरमैन हरप्रीत सिंह, वाइस चांसलर (कार्यकारी) डॉ. सतीश, दविंदर सिंह, डिप्टी डायरेक्टर, छात्र कल्याण विभाग ने स्टारकास्ट को सम्मानित किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

टई0एल0एम0प्रदर्शनई का हुआ शुभारंभ

प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली- रिठौरा- मैस्कॉट कॉलेज ऑफ एजुकेशन में गुरुवार को टी0 एल 0एम 0प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल व सचिव सुशील अग्रवाल के द्वारा फीता काटकर किया गया। मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ हुआ। टी0एल0 एम0प्रदर्शनी में बीएड एवं डी0एल0एड0 के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया । छात्र-छात्राओं ने अपने विषयों से संबंधित शिक्षण सामग्री के मॉडल तैयार करके उनका प्रस्तुतिकरण दिया। इस मौके पर मैस्कॉट कॉलेज ऑफ फार्मेसी के डायरेक्टर डॉक्टर आलोक कुमार उपाध्याय, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्याम अवस्थी, प्राचार्य डॉ. जयकरन माथुर डॉक्टर सोमा हेमपुष्पा कुलदीप , डॉक्टर प्रेमपाल सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

बाजार से दो युवतियों को उठाकर कार में ले गए अज्ञात, बेहोश किया, देर रात में मिलीं दोनों

लवकुश ठाकुर-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

अलीगढ़ में अकराबाद थाना क्षेत्र के गांव धौरी में दुकान से सामान खरीद कर घर आ रही दो युवतियों को अज्ञात लोगों द्वारा कार में डालकर ले जाने का मामला सामने आया है। परिजनों ने घटना की तहरीर पुलिस को देकर कार्यवाही करने की मांग की है। गांव धौरी निवासी युवती के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि मेरी नाबालिग पुत्री और मेरे भाई की बेटी दोनों गांव में ही स्थित एक दुकान पर सामान के पैसे देने गई थीं। जहां से वह वापिस लौट कर घर की ओर आ रहीं थीं। इसी दौरान करीब साढ़े छह बजे अज्ञात युवक दोनों युवतियों को कुछ नशीला पदार्थ सुंघाकर एक कार में बैठाकर ले गए। करीब चार घंटे बाद रात को ग्यारह बजे गांव में फोन पर जानकारी हुई कि दोनों युवतियां गांव नानऊ के पास सड़क पर खड़ी हैं। वहां जाकर दोनों को घर ले गए। जहां दोनों ने परिजनों को बताया कि कोई अंजान लोग उन्हें अपनी कार में ले गए थे। जिसकी सूचना की सुबह परिजनों ने थाने पहुंचकर पुलिस को दी तथा अज्ञात के खिलाफ तहरीर देकर पुलिस से कार्यवाही करने की मांग करने लगे। मामले के बारे में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक एमपी सिंह ने बताया है कि घटना संज्ञान में आते ही पूरे मामले की जांच की जा रही है, जिसमें बताई जा रही घटना पूरी तरह संदिग्ध प्रतीत हो रही है। घटना में जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

बिगड़ी थी तबीयत छोड़ गए कई सवाल,पत्नी की मौत के बाद पति ने भी तोड़ा दम

लवकुश ठाकुर-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

अलीगढ़- गांव ग्वालरा की महिला की मौत के बाद उसके पति ने भी निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की लंग्स की बीमारी से मौत होना पाया गया, मगर पति की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। विसरा जांच के लिए सुरक्षित किया गया है। दोनों की मौत ने कई सवाल छोड़ दिए हैं। चर्चा थी कि दोनों को फूड प्वाइजनिंग हुई थी। लेकिन, महिला की मौत के कारण ने इस गुत्थी को उलझा दिया है। पुलिस को कोई तहरीर भी नहीं दी गई है। पुलिस को अब विसरा रिपोर्ट का इंतजार है।

ग्वालरा में दंपती की चाऊमीन खाने के बाद बिगड़ी थी तबीयत

ग्लावरा निवासी दीपक सिंह खेतीबाड़ी करते थे। रविवार शाम को दीपक बाजार से चाऊमीन लाए थे। इसे उन्होंने 22 वर्षीय पत्नी मोना के साथ खाया। इसके बाद रात में दोनों को उल्टी दस्त की शिकायत हुई। दोनों की हालत ज्यादा खराब होने पर सुबह स्वजन अलीगढ़ के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से मोना को जेएन मेडिकल कालेज रेफर कर दिया था। वहां देररात मौत हो गई थी। दीपक का इलाज चल रहा था। उसे 72 घंटे की निगरानी में रखा गया था दीपक की भी मौत हो गई। जानकारी पर महिला के मायके पक्ष के लोग भी आ गए। आरोप लगाया कि दोनों को जहर देकर मारा गया है। इसे लेकर अस्पताल में कुछ देर हंगामा भी हुआ। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया है।

लौकी का रायता खाने की भी चर्चा- चर्चा ये भी है कि कुछ दिन पहले घर में लौकी का रायता बनाया गया था। उसे पीने के बाद मोना, देवर व उसके बेटे की तबीयत खराब हुई थी। तब तीनों ने डाक्टर से दवा ले ली। दो दिन पहले मोना ने मेक्रोनी खाई, जिसके बाद फिर से उसे उल्टी व सांस लेने में दिक्कत हुई थी। इंस्पेक्टर राम कुंवर सिंह ने बताया कि कोई शिकायत नहीं मिली है। बच्चे को रखने की लड़ाई- दीपक व मोना पर दो वर्ष का बेटा है। घटना के बाद बच्चे को रखने के लिए खींचतान होने लगी। एक तरफ दीपक के स्वजन उसे अपने पास रखना चाह रहे थे तो उसके ननिहाल पक्ष के लोग भी आ गए। इसी बीच मोना की जेठानी ने भी बच्चे को रखने की इच्छा जताई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में लंग्स की बीमारी से महिला की मौत होना पाया गया। युवक की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। विसरा रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जा सकेगी